भविष्यवाणी की यात्रा

10

महान न्याय का दिन

एक आश्चर्यजनक तथ्य:

नेपोलियन ने 19वीं शताब्दी की शुरुआत में यूरोप के अधिकांश हिस्से पर विजय प्राप्त की। कोर्सिका के प्रतिभाशाली कमांडर ने फ्रांसीसी क्रांति के दौरान फ्रांसीसी सेना के पदों में तरक्की की, जब तक कि उसने अंततः 1799 में सरकार पर नियंत्रण नहीं कर लिया और 1804 में खुद को सम्राट घोषित नहीं कर दिया। नेपोलियनिक युद्धों के माध्यम से, उसने पूरे यूरोप-विशेषकर इंग्लैंड को जीतने की आशा के साथ पश्चिमी और मध्य यूरोप में अपने साम्राज्य का विस्तार किया। लेकिन 1813 में नेपोलियन अपने ख़िलाफ़ बने राष्ट्रों के गठबंधन से हार गया। जब पेरिस का पतन हुआ, तो उसे पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया और एल्बा के भूमध्यसागरीय द्वीप पर निर्वासित कर दिया गया। ऐसा लग रहा था कि उसकी शक्ति टूट गई है, लेकिन एक साल से भी कम समय के बाद, वह जेल से भाग निकला, 1,000 समर्थकों के साथ पेरिस में प्रवेश किया और सरकार पर दोबारा कब्ज़ा कर लिया। नेपोलियन का यूरोपीय साम्राज्य का सपना तब स्थायी रूप से समाप्त हो गया जब वह वाटरलू की लड़ाई में हार गया। अंग्रेजों ने उसे अटलांटिक के सबसे सुदूर द्वीप सेंट हेलेना में निर्वासित कर दिया, जहां कुछ साल बाद उसकी मृत्यु हो गई।.

बाइबल की भविष्यवाणी 1,000 साल की अवधि का वर्णन करती है जिसके दौरान शैतान एक “अथाह–कुंड” में बंधा हुआ है। लेकिन शैतान को अस्थायी रूप से उसकी कैद से रिहा कर दिया जाता है-जिस बिंदु पर वह मसीह और उसके अनुयायियों के खिलाफ अंतिम युद्ध शुरू करता है।

प्रकाशितवाक्य 20 की भविष्यवाणी इस शैतानी तानाशाह की लड़ाई और अंतिम भाग्य का वर्णन करती है जिसने सोचा था कि वह दुनिया को अपने अधिकार क्षेत्र के रूप में जब्त कर सकता है। क्या होता है? चलो पता करते हैं ...

» जब आपको कोई रिक्त स्थान दिखाई दे, तो लापता शब्द को देखने और उसे भरने के लिए अपनी बाइबल का उपयोग करें...

1 कौन सी घटनाएँ 1,000 वर्षों की शुरुआत का प्रतीक हैं?

1 थिस्सलुनीकियों 4:16 क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से ________________; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा,... और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी________________।

प्रकाशितवाक्य 20:4, 5 वे जीवित होकर मसीह के साथ ________________ वर्ष तक राज्य करते रहे। जब तक ये हज़ार वर्ष पूरे न हुए तब तक शेष मरे हुए न जी उठे। यह तो ________________ पुनरुत्थान है।

ध्यान दें: प्रकाशितवाक्य 20 के हजार वर्षों को अक्सर "सहस्राब्दी" कहा जाता है, जो दो लैटिन शब्दों का सम्मिश्रण है: मिलि, जिसका अर्थ है "एक हजार," और एन्नम, जिसका अर्थ है "वर्ष।" यीशु का दूसरा आगमन और धर्मियों का पुनरुत्थान 1,000 वर्षों की शुरुआत का प्रतीक है। सभी युगों के पवित्र लोगों को (जो पद्य 6 में "धन्य और पवित्र" के रूप में वर्णित हैं) को इस पहले पुनरुत्थान में पुनर्जीवित किया जाएगा।

2 पहले पुनरुत्थान पर और क्या होगा?

1 कुरिन्थियों 15:51, 52 हम सब नहीं सोएँगे, परन्तु सब ________________ जाएँगे, और यह क्षण भर में, पलक मारते ही अन्तिम तुरही फूँकते ही होगा। क्योंकि तुरही फूँकी जाएगी और मुर्दे अविनाशी दशा में उठाए जाएँगे, और हम बदल जाएँगे।

फिलिप्पियों 3:21 वह हमारी दीन–हीन देह का रूप बदलकर, अपनी ________________ की देह के अनुकूल बना देगा।

AMAZING FACTS INTERNATIONAL
प्रतिलिप्याधिकार © 2024 अमेजिंग फैक्ट्स इंटरनेशनल द्वारा। सर्वाधिकार सुरक्षित
P.O. Box 1058, Roseville, CA 95678 | amazingfacts.org | 800-538-7275
पवित्रशास्त्र के उद्धरण हिंदी बाइबिल (बीएसआई) और (ऑनलाइन-बीएसआई) से लिए गए हैं।

2 थिस्सलुनीकियों 2:8 तब वह अधर्मी प्रगट होगा, जिसे प्रभु यीशु ...अपने आगमन के तेज से ________________ करेगा।

प्रकाशितवाक्य 16:18, 20, 21 एक ऐसा बड़ा ________________ आया कि जब से मनुष्य की उत्पत्ति पृथ्वी पर हुई, तब से ऐसा बड़ा भूकम्प कभी न आया था। ... और हर एक टापू अपनी जगह से टल गया, और पहाड़ों का पता न चला। आकाश से मनुष्यों पर मन–मन भर के बड़े ________________ गिरे।

प्रकाशितवाक्य 20:1, 2 फिर मैं ने एक स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरते देखा ... उसने उस अजगर, अर्थात् पुराने साँप को, जो इब्लीस और शैतान है, पकड़ के हज़ार वर्ष के लिये ________________ दिया।

ध्यान दें: 1,000 वर्ष शुरू होने पर होने वाली घटनाओं के सारांश के लिए इस अध्ययन के अंत में 1,000 वर्ष का चार्ट देखें।

3 दूसरे पुनरुत्थान में कौन पुनर्जीवित होगा, और यह कब होगा?

यूहन्ना 5:28, 29 जितने कब्रों में हैं वे उसका शब्द सुनकर निकल आएँगे। जिन्होंने भलाई की है वे जीवन के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे और जिन्होंने ________________ की है वे ________________ के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे।

प्रकाशितवाक्य 20:5 जब तक ये हज़ार वर्ष ________________ ________________ हुए तब तक शेष मरे हुए न जी उठे।

ध्यान दें: जहाँ बचाए गए लोगों को 1,000 वर्षों की शुरुआत में पुनर्जीवित किया जाता है, वहीं दुष्टों को 1,000 वर्षों के अंत में दूसरे पुनरुत्थान में पुनर्जीवित किया जाता है।

4 1,000 वर्षों के दौरान पृथ्वी की स्थिति क्या है?

यशायाह 24:1 सुनो, यहोवा पृथ्वी को ________________ और सुनसान करने पर है।

यिर्मयाह 4:23-26 मैंने पृथ्वी पर देखा, वह सूनी और ________________ पड़ी थी; और आकाश को, और उसमें कोई ज्योति नहीं थी। मैंने पहाड़ों को देखा, वे हिल रहे थे ... कोई मनुष्य भी न था और सब पक्षी भी उड़ गए थे। ... यहोवा के प्रताप और उस भड़के हुए प्रकोप के कारण उपजाऊ देश जंगल, और उसके सारे ________________खण्डहर हो गए थे।

यिर्मयाह 25:33 उस समय यहोवा के ________________ ________________ पृथ्वी के एक छोर से दूसरे छोर तक पड़े रहेंगे। उनके लिये कोई रोने–पीटनेवाला न रहेगा, और उनके शव न तो बटोरे जाएँगे और न ________________ में रखे जाएँगे; वे भूमि के ऊपर खाद के समान पड़े रहेंगे।

ध्यान दें: यीशु के दूसरे आगमन पर आने वाले भूकंप और ओलावृष्टि से पृथ्वी पूरी तरह से तबाह हो जाएगी। इसे पूर्ण अंधकार में छोड़ दिया जाएगा। मरे हुए लोग पृथ्वी की सतह पर बिखरे पड़े रहेंगे, और कोई शोक नहीं करेगा, क्योंकि कोई भी जीवित नहीं बचेगा। सभी धर्मी स्वर्ग में होंगे, और सभी दुष्ट मारे जायेंगे। (“अथाह–कुंड” पर पूरक देखें)

1000 वर्षों के दौरान पवित्र लोग कहाँ होंगे, और वे क्या कर रहे होंगे?

यूहन्ना 14:3 मैं आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि ________________ मैं ________________ वहाँ तुम भी रहो।

प्रकाशितवाक्य 20:4 फिर मैंने सिंहासन देखे, और उन पर लोग बैठ गए, और उनको ________________करने का अधिकार दिया गया। और वे जीवित होकर मसीह के साथ हज़ार वर्ष तक राज्य करते रहे।

1 कुरिन्थियों 6:2, 3 क्या तुम नहीं जानते कि ________________ ________________ जगत का न्याय करेंगे? क्या तुम नहीं जानते कि हम स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे?

ध्यान दें: 1,000 वर्षों के दौरान, पवित्र लोग स्वर्ग में होंगे और न्याय में भाग लेंगे। वे यह निर्णय नहीं करेंगे कि कौन बचाया गया है या खो गया है, क्योंकि परमेश्वर ने पहले से ही यह निर्धारित कर दिया होगा। उसके “न्याय के काम प्रकट हो चुके हैं” (प्रकाशितवाक्य 15:4)। इसके बजाय, खोए हुए लोगों के लिए परमेश्वर की सज़ा की निष्पक्षता की पुष्टि की जाएगी, साथ ही धर्मी लोगों के लिए पुरस्कार की भी पुष्टि की जाएगी (प्रकाशितवाक्य 22:11, 12)।

न्याय का यह चरण पवित्र लोगों के हित के लिए है। उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि आप स्वर्ग पहुँचते हैं और पाते हैं कि आपका प्रिय पादरी वहाँ नहीं है— पर एक कुख्यात अपराधी वहाँ है! आप स्पष्टीकरण चाहेंगे। किसी भी संदेह का समाधान करने के लिए स्वर्गदूत रिकॉर्ड पुस्तकों के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन करेंगे। न्याय के इस चरण के अंत में, सभी लोग परमेश्वर के न्याय, प्रेम और सभी के प्रति निष्पक्ष व्यवहार के प्रति आश्वस्त हो जायेंगे। वे घोषणा करेंगे, "उसके निर्णय सच्चे और ठीक हैं।" (प्रकाशितवाक्य 19:2)।

6 1,000 वर्ष के अंत में क्या होगा?

जकर्याह 14:1, 4, 5, 9 यहोवा का एक ऐसा दिन आनेवाला है ... उस दिन वह ________________ के ________________ पर पाँव रखेगा, जो पूर्व की ओर यरूशलेम के सामने है; तब जैतून का पर्वत पूर्व से लेकर पश्चिम तक बीचोबीच से फटकर बहुत बड़ा खड्ड हो जाएगा; तब आधा पर्वत उत्तर की ओर और आधा दक्षिण की ओर ________________ जाएगा। ... तब मेरा परमेश्वर यहोवा आएगा, और सब पवित्र लोग उसके साथ होंगे। तब यहोवा सारी पृथ्वी का राजा होगा।

प्रकाशितवाक्य 21:2 फिर मैं ने पवित्र नगर नये यरूशलेम को ________________ से परमेश्वर के पास से ________________ देखा। वह उस दुल्हिन के समान थी जो अपने पति के लिये सिंगार किए हो।

ध्यान दें: 1,000 वर्षों के अंत में, पवित्र लोगों के साथ नया यरूशलेम स्वर्ग से उतरेगा और उस स्थान पर उतरेगा जो अब जैतून का पर्वत है। यहोवा पहाड़ी को तोड़ देगा और समतल कर देगा, ताकि नगर के उतरने के स्थान के लिये एक बड़ा मैदान बन जाए।

7 शैतान को उसकी कैद से छुड़ाने के लिए आगे क्या होगा?

प्रकाशितवाक्य 20:5, 7 जब तक ये हज़ार वर्ष पूरे न हुए तब तक शेष ________________ हुए न जी उठे। ... जब हज़ार वर्ष पूरे हो चुकेंगे तो शैतान कैद से ________________ दिया जाएगा।

ध्यान दें: दुष्टों के पुनर्जीवित होने के बाद, शैतान एक बार फिर हर युग के खोए हुए लोगों की असंख्य भीड़ को धोखा देने और जोड़तोड़ करने के लिए स्वतंत्र होगा।

8 दुष्टों को जिलाए जाने पर शैतान क्या करेगा?

प्रकाशितवाक्य 20:8, 9 वह उन जातियों को जो पृथ्वी के चारों ओर होंगी, अर्थात् गोग और मागोग को जिनकी गिनती समुद्र की बालू के बराबर होगी, _______________ लड़ाई के लिये इकट्ठा करने को निकलेगा। वे सारी पृथ्वी पर फैल कर पवित्र लोगों की छावनी और प्रिय नगर को _______________ लेंगी।

ध्यान दें: शैतान खोए हुए लोगों को यह विश्वास दिलाने के लिए धोखा देगा कि उसे अन्यायपूर्वक स्वर्ग से हटा दिया गया था और वे मिलकर शहर पर कब्ज़ा कर सकते हैं। यह महसूस करते हुए कि उन्हें पवित्र नगर से बाहर कर दिया गया है, दुष्ट लोग नए यरूशलेम को जीतने के लिए बड़े पैमाने पर हमले का आयोजन करेंगे।

9 इस महत्वपूर्ण क्षण में, कौन सब कुछ रोक देगा?

प्रकाशितवाक्य 20:11, 12 फिर मैं ने एक बड़ा _______________ _______________ और उसको, जो उस पर बैठा हुआ है, देखा ... और जैसा उन पुस्तकों में लिखा हुआ था, वैसे ही उनके कामों के अनुसार _______________ _______________ का न्याय किया गया।

ध्यान दें: न्याय का अंतिम चरण शुरू होते ही परमेश्वर का सिंहासन नगर के ऊपर स्वर्ग में दिखाई देगा। नगर पर हताशापूर्ण हमले को तत्काल रोक दिया गया है। पुस्तकें खोली जाएंगी, और प्रत्येक व्यक्ति का जीवन उसके सामने से गुजारा जाएगा। दुष्टों और धर्मियों के देखने के लिये सब कुछ खुला होगा (लूका 12:2, 3)।

10 दुष्टों का न्याय किए जाने के बाद क्या होगा?

रोमियों 14:11 प्रभु कहता है, मेरे जीवन की सौगन्ध कि _______________ _______________ घुटना मेरे सामने _______________, और हर एक जीभ परमेश्वर को अंगीकार करेगी।

फिलिप्पियों 2:10, 11 कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के नीचे हैं, वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेकें; *और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ* _______________ *कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है।*

प्रकाशितवाक्य 19:1, 2 इसके बाद मैं ने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़ को ऊँचे शब्द से यह कहते सुना, "...क्योंकि उसके ________________ सच्चे और ________________ हैं।"

ध्यान दें: सभी दुष्ट स्वतंत्र रूप से स्वीकार करेंगे कि परमेश्वर निष्पक्ष और न्यायकारी है और उसने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उन्होंने पाप के स्वार्थी जीवन के लिए खुले तौर पर उसे अस्वीकार करना चुना। इस सार्वभौमिक स्वीकृति के बाद, पाप विवाद हमेशा के लिए सुलझ जाएगा, और पापियों को नष्ट करना सुरक्षित हो जाएगा।

11 आगे क्या होगा?

प्रकाशितवाक्य 20:9 ________________ स्वर्ग से उतरकर उन्हें ________________ करेगी।

प्रकाशितवाक्य 20:15 जिस किसी का नाम जीवन की पुस्तक में लिखा हुआ न मिला, वह आग की ________________ में डाला गया।

ध्यान दें: तब परमेश्वर की आग दुष्टों पर गिरेगी और पवित्र शहर के चारों ओर आग की एक विशाल झील बन जाएगी। यह आग अंततः उन सभी को राख में बदल देगी (मलाकी 4:3)। इस आग पर, जिसे नरक कहा जाता है, शैतान का कोई नियंत्रण नहीं होगा। इसके बजाय, उसे और उसके दूतों को भी आग में दण्ड दिया जाएगा और राख में बदल दिया जाएगा (प्रकाशितवाक्य 20:10; यहेजकेल 28:18)। इस आग से कोई पुनरुत्थान नहीं होता, जिसे दूसरी मृत्यु कहा जाता है (प्रकाशितवाक्य 20:14)।

12 आग बुझने के बाद, परमेश्वर अपने लोगों के लिए क्या करेगा?

यशायाह 65:17 देखो, मैं नया आकाश और नई पृथ्वी ________________ करता हूँ।

2 पतरस 3:13 उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नए आकाश और नई पृथ्वी की आस देखते हैं जिनमें ________________ वास करेगी।

ध्यान दें: सहस्राब्दी के बाद, पवित्र लोग यीशु को नया स्वर्ग (वातावरण) और एक निष्कलंक नई पृथ्वी बनाते हुए देखेंगे, जिसमें पाप कभी पैदा नहीं होगा (नहूम 1:9)। वह स्वर्ग जिसे आदम और हव्वा ने पाप के कारण खो दिया था, अपनी संपूर्ण महिमा के साथ पुनः स्थापित किया जाएगा। परमेश्वर के लोगों पर शांति, आनंद, प्रेम और संपूर्ण खुशी हमेशा बनी रहेगी!

13 परमेश्वर और धर्मी आख़िर कहाँ रहेंगे?

प्रकाशितवाक्य 21:3 परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है। वह ________________ साथ ________________ करेगा।

मत्ती 5:5 धन्य हैं वे, जो नम्र हैं, क्योंकि वे ________________ के अधिकारी होंगे।

ध्यान दें: परमेश्वर पिता और परमेश्वर पुत्र दोनों अपने पवित्र लोगों के साथ नई पृथ्वी पर रहेंगे। ज़रा इसके बारे में सोचें—पड़ोसी के लिए परमेश्वर का होना!

14 नए यरूशलेम और नई पृथ्वी में छुटकारा पाये लोगों का अनुभव क्या होगा?

प्रकाशितवाक्य 21:4 वह उनकी आँखों से सब आँसू पोंछ डालेगा; और इसके बाद ________________ न रहेगी, और न शोक, न विलाप, न ________________ रहेगी; पहली बातें जाती रहीं।"

» आप का जवाब

यीशु कहता है, "मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ" (यूहन्ना 14:2)। उसके पास पवित्र नगर में आपके लिए एक रहने का स्थान है! क्या अब आप उसके अनंत जीवन के प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे ताकि वह आपको एक नया जन्म दे सके और आपको अपने राज्य के लिए तैयार कर सके?

उत्तर: ________________

आगे का अध्ययन

अथाह–कुंड

प्रकाशितवाक्य 20:1 के शब्द "अथाह–कुंड" को अक्सर गलत समझा जाता है। इसका अनुवाद यूनानी शब्द एबिसोस से किया गया है, जो अंग्रेजी शब्द "पाताल" का मूल है। यूननी पुराना नियम (सेप्टुआजेंट) में, इस शब्द का उपयोग बेडौल, अंधेरी पृथ्वी को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, जैसा कि सृष्टि से पहले था। "पृथ्वी बेडौल और सुनसान पड़ी थी, और गहरे जल के ऊपर अन्धियारा था" (उत्पत्ति 1:2)। एबिसोस शब्द का उपयोग लूका 8:31 में एक ऐसी स्थिति को दर्शाने के लिए किया गया है जिसमें दुष्टात्माओं के पास अधिकार में रखने या जोड़तोड़ करने के लिए कोई नहीं है।

1,000 वर्षों के दौरान, शैतान को परिस्थितियों द्वारा जंजीरों में जकड़ दिया गया है, "ताकि वह जाति जाति के लोगों को फिर न भरमाए" (प्रकाशितवाक्य 20:3)। एक शाब्दिक श्रृंखला कभी भी किसी आध्यात्मिक प्राणी को बाँध नहीं सकती। केवल एक ही चीज़ उसे लोगों को लुभाने से रोक सकती थी, और वह यह कि यदि कोई भी व्यक्ति अभी भी जीवित न हो! जब यीशु आता है, तो सभी दुष्टों को मार दिया जाता है और धर्मियों को स्वर्ग ले जाया जाता है, इसलिए शैतान और उसके दूत इस ग्रह तक ही सीमित रह जाते हैं और उनके भरमाने के लिए कोई नहीं होता है। 1,000 वर्षों तक, वे अपने विद्रोह के फल को देखते हुए, जले हुए परिदृश्य में घूमते रहेंगे। यह अब तक बनी परिस्थितियों की सबसे वीभत्स श्रृंखला होगी। "वे बन्दियों के समान गड़हे में इकट्ठे किए जाएँगे और बन्दी–गृह में बन्द किए जाएँगे; और बहुत दिनों के बाद उनकी सुधि ली जाएगी।" (यशायाह 24:22)।

अगले पेज पर चार्ट देखें.

1,000 वर्ष की सारणी

घटनाएँ जो 1,000 वर्षों को शुरू करती है:

1. यीशु अपने पवित्र लोगों के लिए लौटता है, और धर्मी मरे हुओं को फिर से जीवित किया जाता है।
2. दुष्ट लोग यहोवा के आने से मारे जाते हैं, साथ ही विनाशकारी भूकम्प और ओले भी पड़ते हैं।
3. जीवित धर्मी लोग बदल जाते हैं, फिर हवा में प्रभु से मिलने के लिए उठाए जाते हैं।
4. बादल धर्मी लोगों को स्वर्ग ले जाता है।

1,000 वर्ष

1,000 वर्षों के दौरान स्थितियां और घटनाएं:

1. स्वर्ग में संत दुष्टों के न्याय में भाग लेते हैं।
2. शैतान और उसके दूत पूरी तरह से तबाही और अंधकार में पृथ्वी पर रहने के लिए मजबूर हैं।
3. पृथ्वी पर कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं है।

1,000 वर्षों के अंत में घटनाएँ:

1. यीशु अपने पवित्र लोगों के साथ लौटता है, और पवित्र शहर जैतून के पहाड़ पर उतरता है।
2. दुष्टों का पुनरुत्थान किया जाता है, और शैतान दुष्टों को पवित्र नगर पर आक्रमण करने के लिए मना लेता है।
3. दुष्टों का न्याय किया जाता है, फिर स्वर्ग से आग से दंडित किया जाता है जो अंततः खोए हुओं को भस्म कर देती है।
4. परमेश्वर शुद्ध पृथ्वी की राख पर नया स्वर्ग और नई पृथ्वी बनाता है।

ध्यान दें:

हमारे मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के साथ
बाइबल के महान सत्य की खोज करें
AMAZ!NG
BIBLE STUDIES
AmazingBibleStudies.com

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

भविष्यवाणी की यात्रा
पाठ 10

10

AMAZING FACTS
INTERNATIONAL

P.O. Box 1058
Roseville, CA 95678
amazingfacts.org